वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 7 | गुरुवार 4 जून 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सड़क सुरक्षा और अपराध नियंत्रण पर सख्ती

नशे के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस': मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिए ड्रग माफिया की संपत्ति जब्त करने के निर्देश

राजस्थान में नशा माफिया पर मुख्यमंत्री का कड़ा प्रहार: अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर और संगठित नेटवर्क को तोड़ने का फरमान, वाहनों के मॉडिफिकेशन और काली फिल्मों पर होगी कड़ी कार्रवाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में अपराध और नशे के अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर गृह विभाग की एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य में नशा माफियाओं और संगठित अपराधों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि अपराधियों के आर्थिक तंत्र को पूरी तरह से ध्वस्त किया जाए।

माफिया की संपत्ति पर प्रहार

मुख्यमंत्री ने मादक पदार्थों के कारोबार में लिप्त गिरोहों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की वकालत करते हुए कहा कि केवल गिरफ्तारियां ही काफी नहीं हैं, बल्कि ड्रग तस्करों की कमर तोड़ने के लिए उनकी अवैध संपत्तियों को चिन्हित कर जब्ती, कुर्की एवं ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने पीआईटीएनडीपीएस अधिनियम के तहत संदिग्ध माफियाओं के खिलाफ अधिकतम सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि नशामुक्त राजस्थान का संकल्प केवल सरकारी प्रयास से नहीं, बल्कि जन-भागीदारी से ही सफल होगा। उन्होंने इस मुहिम को एक 'जन आंदोलन' का रूप देने का आह्वान किया, जिसमें सामाजिक संस्थाओं और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

सीमावर्ती इलाकों में विशेष निगरानी

बैठक में राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों पर विशेष चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सीमा पार से होने वाली ड्रोन तस्करी और अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए निगरानी तंत्र को और अधिक मजबूत और सतर्क बनाया जाए। उन्होंने जिला कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को आपसी समन्वय बढ़ाकर संदिग्ध गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सीमावर्ती जिलों में हर गतिविधि पर पैनी नजर रखना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है।

अवैध मॉडिफिकेशन और काली फिल्म पर शिकंजा

सड़क सुरक्षा और अपराधों में वाहनों के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने पुलिस, प्रशासन और परिवहन विभाग को संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वाहनों में अवैध मॉडिफिकेशन और शीशों पर काली फिल्म का उपयोग अपराधों को बढ़ावा देने का एक जरिया बन गया है। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा के मानकों का उल्लंघन करने वाले वाहनों, जिनमें निर्धारित सीमा से अधिक काली फिल्म या अन्य अपारदर्शी सामग्री लगी है, उन पर बिना किसी रियायत के सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे वाहन न केवल कानून व्यवस्था के लिए चुनौती हैं, बल्कि आम जनता की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक में शासन के शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

मुख्य सचिव ने आईएफएमएस 3.0 को अधिक यूजर फ्रेंडली बनाने के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सुविधाओं और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागों के मध्य बेहतर समन्वय, प्रक्रियाओं के सरलीकरण तथा विभिन्न जिलों में अपनाई जा रही श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा करने पर जोर दिया। उन्होंने आहरण व वितरण अधिकारियों, जिला स्तरीय अधिकारियों तथा संबंधित कार्मिकों के लिए नियमित प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश भी दिए।

आईएफएमएस 3.0 से राजस्थान की वित्तीय व्यवस्था बनेगी अधिक पारदर्शी : श्रीनिवास

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान सरकार तकनीक आधारित सुशासन को मजबूत करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है तथा इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (आईएफएमएस) 3.0 राज्य की वित्तीय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह, ट्रेसेबल और नागरिक-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसे अधिक सक्षम बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन, भुगतान प्रक्रिया, वित्तीय निगरानी तथा लेखा प्रबंधन में आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्य सचिव ने बुधवार को सचिवालय से आयोजित आईएफएमएस 3.0 वेबिनार में यह जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों को सभी मॉड्यूल्स का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सुशासन की सोच के अनुरूप राज्य की ट्रेजरी एवं वित्तीय प्रबंधन प्रणाली को और अधिक आधुनिक, मजबूत तथा विश्वसनीय बनाया जा रहा है। वेबिनार में अतिरिक्त निदेशक मनीष शुक्ला ने आईएफएमएस 3.0 के विभिन्न मॉड्यूल्स, ट्रेजरी प्रबंधन, राजस्व प्रबंधन प्रणाली पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

गुना चलो • गुना चलो • गुना चलो

गुरुवर पधारो राजस्थान

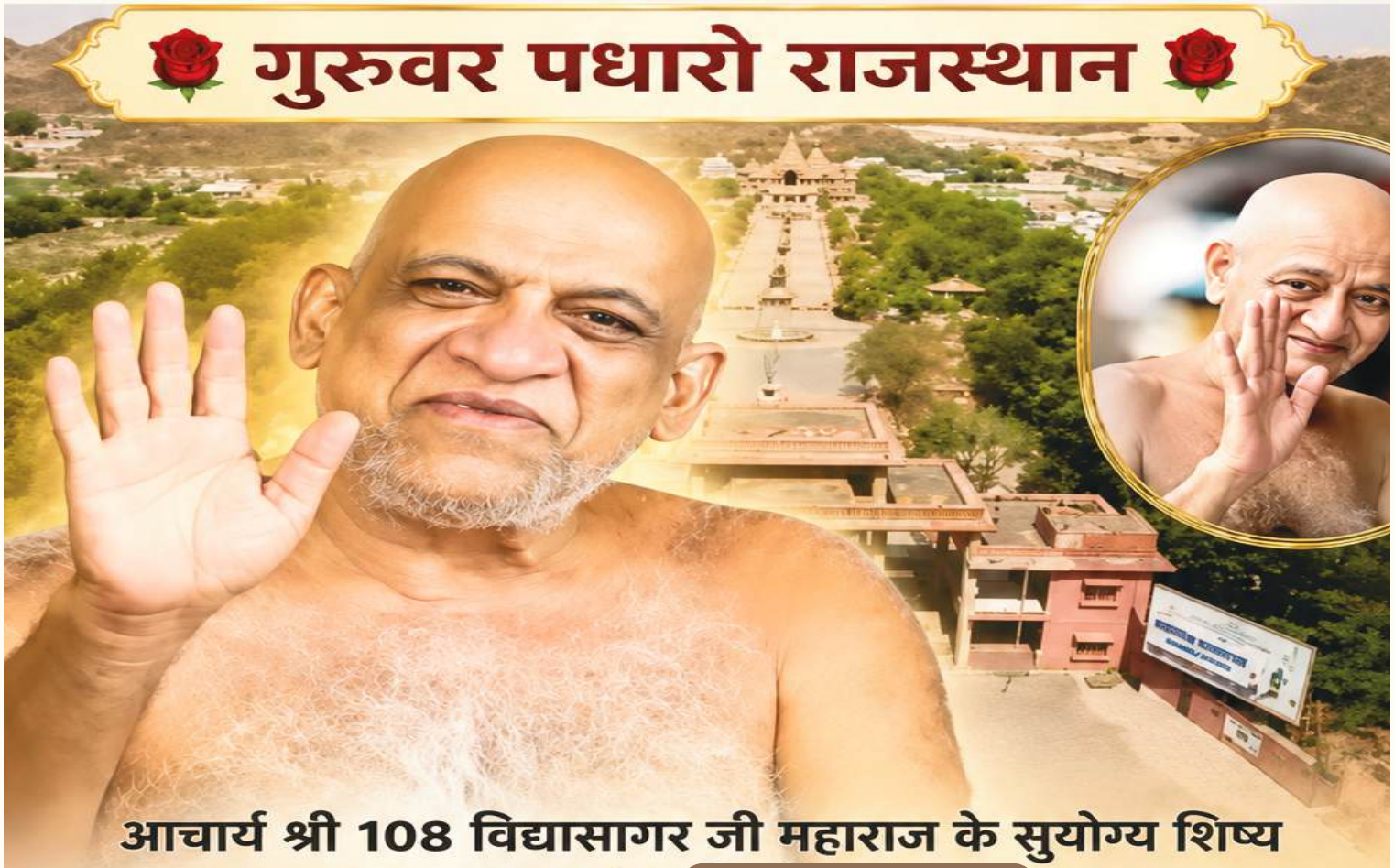

आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य

परम पूज्य 108 **निर्यापक श्रमण**

जिनशासन के शेर

मुनिपुंगव सुधासागर जी महाराज

के पावन चरणों में

2026 के भव्य चातुर्मास हेतु

राजस्थान समाज द्वारा

श्रीफल समर्पण

का शुभ अवसर

स्थान : गुना (म.प्र.) | दिनांक : 8 जून 2026

सादर निवेदक

समस्त सुधासागर जी गुरु भक्त

राजस्थान

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन में अंकित जैन सह सचिव एवं सुनील शाह निर्देशक मंडल में मनोनीत

प्रतापगढ़. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन ने अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए प्रतापगढ़ ग्रुप के दो और सदस्यों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। ग्रुप के मीडिया प्रभारी मुकेश जैन ने बताया कि गत वर्ष फेडरेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की द्वितीय वार्षिक कैबिनेट बैठक प्रतापगढ़ में आयोजित हुई थी। प्रतापगढ़ ग्रुप की उत्कृष्ट कार्यशैली, संगठनात्मक क्षमता एवं कुशल प्रबंधन से प्रभावित होकर फेडरेशन के शीर्ष नेतृत्व ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से ग्रुप के भूतपूर्व सचिव अंकित जैन को राष्ट्रीय सह सचिव तथा ग्रुप के उपाध्यक्ष सुनील शाह को निर्देशक मंडल में मनोनीत किया है। इन नई नियुक्तियों के साथ अब प्रतापगढ़ ग्रुप के कुल चार सदस्यों को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में स्थान प्राप्त हो गया है। इससे जयपुर रीजन एवं मेवाड़ रीजन को भी संगठनात्मक मजबूती मिलेगी। घोषणा के बाद दोनों नव-मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई संदेशों का सिलसिला लगातार जारी है। इस अवसर पर प्रतापगढ़ ग्रुप द्वारा दोनों पदाधिकारियों का सम्मान एवं बहुमान भी किया गया।

प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन के शिक्षण शिविरों में उमड़ा उत्साह

सागर. शाबाश इंडिया

प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन द्वारा सागर नगर के विभिन्न क्षेत्रों में प्राकृत विद्या शिक्षण शिविरों का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। ये शिविर रामपुरा वार्ड, नेहा नगर, गौराबाई कटरा, वर्धमान कॉलोनी, बालक कॉम्प्लेक्स सहित नगर के अनेक मंदिरों एवं शिक्षण केंद्रों पर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरों में अध्यापन कार्य के लिए देशभर से विद्वान शिक्षक एवं प्राकृत भाषा के विशेषज्ञ पधारे हैं। इन शिविरों में प्राकृत भाषा एवं साहित्य से संबंधित विविध विषयों का अध्यापन कराया जा रहा है। प्रमुख विषयों में प्राकृत विज्ञान, प्राकृत बोध, प्राकृत व्याकरण, समय विज्ञान एवं संलेखना विज्ञान शामिल हैं। शिविरार्थियों को पंडित राजकुमार जैन शास्त्री (सागर), डॉ. हरीशचंद्र शास्त्री (मुरैना), पंडित नन्हेभाई शास्त्री (सागर) तथा पंडित उदयचंद जैन शास्त्री (सागर) सहित अनेक विद्वानों का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. आशीष जैन आचार्य ने बताया कि प्राकृत भाषा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह

महत्वपूर्ण अभियान संचालित किया जा रहा है। इस पुनीत कार्य को आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज की प्रेरणा तथा आचार्य श्री समयसागर जी महाराज, आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज एवं आचार्य श्री वसुनंदी जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त है। क्षेत्रीय संयोजक अनिल जैन शास्त्री ने बताया कि शिविरों का शुभारंभ अत्यंत उत्साह एवं हर्षोल्लास के वातावरण में हुआ है। नगर के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित इन शिविरों में लगभग 1000 शिविरार्थी सहभागिता कर रहे हैं। यह प्राकृत भाषा, जैन दर्शन एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन के प्रति समाज में बढ़ती जागरूकता और रुचि का परिचायक है।

-रत्नेश जैन, बकस्वाहा एवं राजेश जैन रागी

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा...

यदि आप जानना चाहते हैं कि आपको कौन नियंत्रित करता है, तो सोचिए कि आप किसके बारे में गलत नहीं सोच सकते

औरंगाबाद. शाबाश इंडिया। श्री आदेश्वर पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, कुशलगढ़ (बांसवाड़ा, राजस्थान) में चल रही अहिंसा संस्कार पदयात्रा के दौरान अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय श्री पियूष सागरजी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित किया। यह पदयात्रा पुष्पगिरि की ओर अग्रसर है। अपने प्रवचन में आचार्य श्री ने कहा कि यदि आप जानना चाहते हैं कि आपको कौन नियंत्रित करता है, तो आंखें बंद करके विचार कीजिए कि आप किसके बारे में गलत नहीं सोच सकते। साथ ही यह भी जानिए कि आप क्या नहीं जानते। जो बातें हम नहीं जानते, उन्हें जानने की शुरूआत आज से ही कर देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मनुष्य का स्वभाव मान्यताओं की खोज करना है। किसी समूह की मान्यताओं से जुड़ने के बाद व्यक्ति को लगता है कि उसकी एक पहचान बन गई है और वह पूर्वाग्रहों के आधार पर स्वयं को मजबूत समझने लगता है। जबकि विनय, विवेक और विचारशीलता मनुष्य की मूल प्रवृत्तियां हैं। ऐसे लोग बनी-बनाई मान्यताओं का आंख मूंदकर अनुसरण नहीं करते, बल्कि उनके पदचिह्न ऐसे आदर्श स्थापित करते हैं जो पंथ नहीं, पथ का मार्ग प्रशस्त करते हैं। आचार्य श्री ने कहा कि आज समाज पंथवाद, संतवाद, संप्रदायवाद, पूर्वाग्रह, दुराग्रह और हठाग्रह जैसी प्रवृत्तियों से प्रभावित दिखाई देता है। धर्म की आड़ में इन प्रवृत्तियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। धर्म का वास्तविक स्वरूप अनंत सुख प्रदान करने वाला है, जबकि पंथवाद और संप्रदायवाद का सुख केवल सांस चलने तक सीमित है। आज धर्म की सुगंध कम और पूर्वाग्रहों की दुर्गंध अधिक महसूस हो रही है।

उन्होंने धर्म के वास्तविक स्वरूप को स्पष्ट करते हुए कहा...

धर्म अग्नि के समान है, जो उसके आश्रय में आने वाले व्यक्ति के पाप, दुराचार, अनाचार और व्यभिचार का दहन कर देता है। धर्म जल के समान है, जो उसकी शरण में आने वाले की आध्यात्मिक प्यास को शांत करता है। धर्म औषधि के समान है, जो जन्म-मरण के दुखों से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करता है। आचार्य श्री ने कहा कि धर्म एक ही है अहिंसा, संयम, तप और दया। जैसे दिल्ली एक है, वहां पहुंचने के मार्ग अनेक हो सकते हैं; उसी प्रकार सत्य धर्म एक है, भले ही उसे प्राप्त करने के साधन अलग-अलग हों। उन्होंने आगे कहा कि अग्नि भी एक ही है। जो कोई भी उसमें हाथ डालेगा, वह अवश्य जलेगा। इसी प्रकार धर्म के सिद्धांत सभी के लिए समान रूप से लागू होते हैं। **-नरेंद्र अजमेरा, पियूष कासलीवाल, औरंगाबाद**

परिदृश्य

डिजिटल आक्रामकता के जाल में फंसा बचपन

दिलीप कुमार पाठक

आजकल घरों में शाम के वक्त एक खामोश नजारा दिखाई देता है। पूरा परिवार एक ही कमरे में, एक ही सोफे पर साथ बैठा होता है, लेकिन आपस में कोई बातचीत नहीं होती। सभी अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में खोए रहते हैं। माता-पिता भी इस बात से संतुष्ट और निश्चिंत रहते हैं कि उनका बच्चा बाहर धूप या धूल-मिट्टी में नहीं घूम रहा, बल्कि घर के अंदर सुरक्षित बैठा है। लेकिन क्या कभी हमने ठंडे दिमाग से यह सोचने की कोशिश की है कि स्क्रीन में आंखें गड़ाए बैठा हमारा यह मासूम बच्चा भीतर ही भीतर किस मानसिक दौर से गुजर रहा है? कहीं उसके नन्हे मन और मस्तिष्क पर इसका नकारात्मक प्रभाव तो नहीं पड़ रहा? हर वर्ष 4 जून को दुनिया भर में आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। पहले इस दिन की चर्चा होती थी तो बच्चों पर अत्याचार का अर्थ युद्ध, दंगे, हिंसा या बाल मजदूरी से लगाया जाता था। लेकिन आज के डिजिटल युग में मासूमों के खिलाफ होने वाली आक्रामकता का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। अब यह हिंसा सड़क पर शोर नहीं मचाती, बल्कि इंटरनेट के अदृश्य रास्तों से होकर सीधे बच्चों के मन और मस्तिष्क पर हमला करती है। जरा गंभीरता से सोचिए। आपका बच्चा आपके सामने बैठा हो सकता है, लेकिन संभव है कि उसी समय उसका कोमल मन किसी गहरे तनाव, भय या मानसिक दबाव से गुजर रहा हो। ऑनलाइन गेम खेलते समय किसी अनजान व्यक्ति की गालियां, सोशल मीडिया पर साथियों द्वारा उड़ाया गया मजाक या इंटरनेट की दुनिया में छिपे अपराधियों की बुरी नजर—ये सब डिजिटल आक्रामकता के ऐसे रूप हैं, जिनके घाव शरीर पर दिखाई नहीं देते, लेकिन मन पर गहरे निशान छोड़ जाते हैं। यह अदृश्य हमला बच्चे के आत्मविश्वास को भीतर ही भीतर खोखला कर देता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया का कोई प्रत्यक्ष गवाह नहीं होता, सिवाय उस अकेले और सहमे हुए बच्चे के। वैश्विक संस्था यूनिसेफ की रिपोर्ट बताती है कि इंटरनेट का उपयोग करने वाला हर तीसरा व्यक्ति बच्चा है। इनमें से बड़ी संख्या किसी न किसी रूप में ऑनलाइन उत्पीड़न, मानसिक दबाव या भावनात्मक प्रताड़ना का सामना करती है।

संपादकीय

क्या ममता बनर्जी की पार्टी दो फाड़ होगी?

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर उथल-पुथल मची हुई है। 2026 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की करारी हार के बाद पार्टी के भीतर असंतोष और टूट की चर्चाएं तेज हो गई हैं। महज कुछ ही हफ्तों में विधायकों की अनुपस्थिति, निष्कासन, जाली हस्ताक्षर विवाद और कथित गुप्त बैठकों ने ममता बनर्जी की 15 वर्ष पुरानी पार्टी को गंभीर संकट के दौर में ला खड़ा किया है। राजनीतिक विश्लेषक अब

यह सवाल उठाने लगे हैं कि क्या टीएमसी भी शिवसेना और एनसीपी की तरह विभाजन का सामना करेगी। चुनावी हार के बाद पार्टी के 80 विधायकों में से बड़ी संख्या कई बैठकों और विरोध प्रदर्शनों से दूर रही। एक महत्वपूर्ण विधायक दल की बैठक पर्याप्त उपस्थिति न होने के कारण रद्द करनी पड़ी। वहीं ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले धरने में भी अपेक्षा से काफी कम विधायक पहुंचे। इन घटनाओं को पार्टी संगठन में बढ़ती असंतुष्टि और आंतरिक दरार के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। सबसे बड़ा विवाद विधानसभा में विपक्ष के नेता के पद को लेकर सामने आया। पार्टी ने सोभनदेब चट्टोपाध्याय को नेता प्रतिपक्ष चुना, लेकिन दो विधायकों—ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा—ने आरोप लगाया कि उनके तथा अन्य विधायकों के हस्ताक्षरों का दुरुपयोग किया गया। दोनों नेताओं को बाद में पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निष्कासित कर दिया गया। ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया कि उन्हें कई विधायकों का समर्थन प्राप्त है और उन्होंने विधानसभा में अलग रुख अपनाकर संभावित गुटबंदी के संकेत भी दिए। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी गर्म है कि कोलकाता के एक होटल में कुछ विधायकों की गुप्त बैठकें हुईं। विभिन्न रिपोर्टों में 20 से 50 विधायकों के संपर्क में होने की बात कही जा रही है। यदि दो-तिहाई संख्या का समर्थन किसी समूह को मिल जाता है, तो दल-बदल कानून के दायरे से बाहर निकलकर अलग गुट या नई राजनीतिक इकाई बनाने की संभावना बन सकती है। महाराष्ट्र में शिवसेना के विभाजन का उदाहरण अक्सर इसी संदर्भ में दिया जा रहा है। टीएमसी के भीतर तनाव केवल चुनावी हार का परिणाम नहीं माना जा रहा। पार्टी में लंबे समय से पुरानी और नई पीढ़ी के नेताओं के बीच मतभेद की चर्चा रही है। ममता बनर्जी का जनाधार और प्रभाव अभी भी मजबूत माना जाता है, लेकिन उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की बढ़ती भूमिका तथा रणनीतिक सलाहकार संस्थाओं के बढ़ते प्रभाव को लेकर कुछ वरिष्ठ नेताओं में असहजता देखी गई है। कई राजनीतिक पर्यवेक्षक मानते हैं कि पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर अलग-अलग धाराएं मौजूद हैं। हालांकि ममता बनर्जी ने भाजपा पर पार्टी को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। वहीं पार्टी नेतृत्व का दावा है कि अधिकांश विधायक अभी भी टीएमसी के साथ हैं। अभिषेक बनर्जी ने भी मतभेद और टूट की अटकलों को खारिज किया है। फिर भी यह स्पष्ट है कि सत्ता से बाहर होने के बाद टीएमसी को सबसे बड़ी चुनौती अपने संगठन को एकजुट बनाए रखने की है। **-राकेश जैन गोदिका**

अर्थव्यवस्था

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की नई शृंखला

विनोद कुमार सिंह

भारत आज विश्व अर्थव्यवस्था के उस मुकाम पर खड़ा है, जहां उसकी विकास यात्रा को केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि उन आंकड़ों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी परखा जा रहा है। विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर भारत के लिए यह आवश्यक है कि उसकी आर्थिक प्रगति को मापने वाले सभी प्रमुख संकेतक समयानुकूल, वैज्ञानिक और यथार्थपरक हों। इसी सोच के अनुरूप सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) की नई शृंखला जारी की गई है, जिसका आधार वर्ष 2022-23 निर्धारित किया गया है। यह परिवर्तन केवल एक तकनीकी या सांख्यिकीय प्रक्रिया नहीं है, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के बदलते स्वरूप को समझने और उसे दुनिया के सामने अधिक सटीक रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास भी है। नई शृंखला भारत के औद्योगिक क्षेत्र में आए व्यापक परिवर्तनों, नई उत्पादन गतिविधियों, तकनीकी नवाचारों और उभरते क्षेत्रों को प्रतिबिंबित करती है। भारत की आर्थिक गतिविधियों में उद्योग क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कृषि, सेवा और उद्योग—इन तीनों स्तंभों में उद्योग ऐसा क्षेत्र है, जो उत्पादन, रोजगार, निर्यात, निवेश और तकनीकी विकास को गति देता है। किसी भी देश की औद्योगिक सेहत को समझने के लिए औद्योगिक उत्पादन सूचकांक को सबसे महत्वपूर्ण संकेतकों में गिना जाता है। यही कारण है कि नीति-निर्माता, अर्थशास्त्री, उद्योग जगत, वित्तीय संस्थान और निवेशक आईआईपी के आंकड़ों पर विशेष ध्यान देते हैं। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक देश के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन स्तर में होने वाले परिवर्तनों को मापता है। इसके माध्यम से यह पता चलता है कि उद्योगों की उत्पादन क्षमता किस दिशा में बढ़ रही है, किन क्षेत्रों में तेजी है और कहाँ सुधार की आवश्यकता है। समय के साथ अर्थव्यवस्था बदलती है, उत्पादन के स्वरूप बदलते हैं और नई तकनीकें पुराने उत्पादों का स्थान लेती हैं। ऐसे में सूचकांक की आधार संरचना को भी अद्यतन करना आवश्यक हो जाता है। वर्ष 2011-12 पर आधारित पुरानी शृंखला अपने समय के अनुरूप थी, लेकिन पिछले एक दशक में भारत की औद्योगिक संरचना में व्यापक बदलाव आए हैं। आज का भारत मोबाइल फोन निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन, अक्षय ऊर्जा, रक्षा विनिर्माण, चिकित्सा उपकरण निर्माण, ड्रोन तकनीक, डिजिटल अवसंरचना और उच्च तकनीकी उत्पादन के क्षेत्र में नई पहचान बना चुका है। इन परिवर्तनों को पुराने आधार वर्ष के माध्यम से पूरी तरह अभिव्यक्त करना संभव नहीं था। नई शृंखला इसी आवश्यकता का परिणाम है। आधार वर्ष 2022-23 पर आधारित यह सूचकांक देश की वर्तमान औद्योगिक वास्तविकताओं के अधिक निकट है। इसमें उन क्षेत्रों को समुचित स्थान दिया गया है, जो आज भारत की औद्योगिक प्रगति के प्रमुख वाहक बन चुके हैं। यह नई व्यवस्था न केवल उत्पादन संरचना को अद्यतन करती है, बल्कि आर्थिक विश्लेषण को भी अधिक सटीक बनाती है। नई शृंखला की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि इसमें अनेक नए उत्पाद समूहों को शामिल किया गया है। बदलती औद्योगिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रॉनिक्स, आधुनिक चिकित्सा उपकरण, वैक्सीन, लिथियम-आयन बैटरियाँ, सीसीटीवी कैमरे, स्मार्ट कार्ड तथा विमानन एवं अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े उपकरणों को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।

यशविहार में 7 जून को युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी का मंगल आगमन, धर्मसभा में देंगे आशीर्वचन

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी म.सा., हितमित भाषी हितेन्द्र ऋषिजी म.सा. एवं साधु-साध्वीवृंद का हमीरगढ़ लाइफ स्टाइल कॉलोनी से विहार कर 7 जून को प्रातः 7 बजे यशविहार, अहिंसा सर्किल, कोटा रोड पर मंगल आगमन होगा। यशकंवर चैरिटेबल ट्रस्ट, यशविहार के अध्यक्ष हिम्मत सिंह गांग ने बताया कि इस अवसर पर युवाचार्यश्री एवं साध्वीवृंद की भव्य अगवानी की जाएगी। इसके पश्चात आयोजित धर्मसभा में युवाचार्यश्री श्रद्धालुओं को आशीर्वचन प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि युवाचार्यश्री के साथ मेवाड़ गौरव रविन्द्र मुनिजी, उपप्रवर्तिनी दिव्यज्योति जी म.सा. ''अर्पणा'' ठाणा-6, महासती सुचेता जी म.सा. ठाणा-3, मधुर व्याख्यानी पियूषदर्शना जी म.सा. ठाणा-2 तथा राजस्थान प्रवर्तनी यशकंवर जी म.सा. की सुशिष्याएं महासती ज्ञानकंवर जी म.सा. एवं महासती मणिप्रभा जी म.सा. सहित अन्य साधु-साध्वीवृंद भी यशविहार पधारेंगे।

युवाचार्यश्री के आगमन को लेकर शहर के जैन समाज में उत्साह का वातावरण है। श्रावक-श्राविकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित होकर गुरु भगवंतों के दर्शन, वंदन एवं आशीर्वचनों का लाभ प्राप्त करेंगे। उल्लेखनीय है कि युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी म.सा. आदि ठाणा का 19 जुलाई को शांति भवन, भोपालगंज में चातुर्मास का मंगल प्रवेश होगा। शांति भवन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद चीपड़ एवं चातुर्मास समिति के संयोजक कंवरलाल सूरिया ने बताया कि युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी म.सा. का भीलवाड़ा से पूर्व भी विशेष जुड़ाव रहा है। वर्ष 2015 में इंदौर में आयोजित साधु सम्मेलन तथा वर्ष 2018 में शांति भवन में आयोजित होली चातुर्मास एवं कांचीपुरम दीक्षा महोत्सव में उनका सान्निध्य प्राप्त हुआ था। इसके अतिरिक्त यश शताब्दी वर्ष महोत्सव में भी युवाचार्यश्री भीलवाड़ा पधार चुके हैं। चीपड़ एवं सूरिया ने बताया कि भीलवाड़ा में युवाचार्यश्री का यह प्रथम चातुर्मास होगा। इसी कारण संपूर्ण जैन समाज में विशेष उत्साह एवं उमंग का वातावरण है। स्थानकवासी जैन समाज इस ऐतिहासिक अवसर को लेकर उत्सुक है तथा चातुर्मास एवं मंगल प्रवेश की तैयारियां व्यापक स्तर पर की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि 19 जुलाई को शांति भवन में आयोजित होने वाला विश्व शांति मंगल मैत्री चातुर्मास प्रवेश समारोह भीलवाड़ा के धार्मिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय बनने की ओर अग्रसर है।

सुनील चपलोतः मीडिया प्रवक्ता
यशकंवर चैरिटेबल ट्रस्ट, यशविहार, भीलवाड़ा

थार की तपती धरती पर जीवन की छांवः एक पेड़ बना सैकड़ों गौवंश का सहारा

रेगिस्तान की कठोरता के बीच प्रकृति की करुणा का जीवंत दृश्य

रावतसर. नरेश सिगची

थार मरुस्थल। तपते सूरज की आग उगलती किरणें, दूर-दूर तक फैली बंजर धरती, गर्म हवाओं के थपेड़े और 45 डिग्री से अधिक तापमान—थार मरुस्थल की पहचान यही है। लेकिन इसी कठोर और चुनौतीपूर्ण वातावरण के बीच प्रकृति कभी-कभी ऐसा दृश्य रच देती है, जो मन को भावुक कर देता है और जीवन का वास्तविक अर्थ समझा जाता है। थार के एक गांव से सामने आई यह तस्वीर केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि प्रकृति, करुणा और सह-अस्तित्व की एक जीवंत कहानी है। विशालकाय जाल के पेड़ की घनी छांव तले दर्जनों गायें शांत भाव से विश्राम कर रही हैं। कोई बैठी है, कोई लेटी हुई है, तो कुछ खड़ी होकर पेड़ की शीतल छाया का आनंद ले रही हैं। मानो यह पेड़ उनके लिए किसी आश्रय स्थल से कम न हो।

जब धूप बन जाए चुनौती, तब पेड़ बनता है जीवनदाता

रेगिस्तान की दोपहरी किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होती। ऐसे समय में यह हरा-भरा पेड़ इन बेजुबान पशुओं के लिए किसी वरदान जैसा प्रतीत होता है। तस्वीर के चारों ओर फैली सूखी धरती और ऊपर चमकता निर्मम आसमान जहां मरुस्थल की कठोर सच्चाई बयां कर रहे हैं, वहीं पेड़ की घनी हरियाली जीवन की उम्मीद और प्रकृति की करुणा का संदेश दे रही है। यह दृश्य बताता है कि एक पेड़ केवल लकड़ी या हरियाली का स्रोत नहीं होता, बल्कि वह अनगिनत जीवों का रक्षक, पोषक और जीवनदाता भी होता है।

थार के हरे योद्धाः जाल, खेजड़ी और रोहिड़ा

राजस्थान के मरुस्थलीय क्षेत्रों में जाल, खेजड़ी और रोहिड़ा जैसे वृक्षों को विशेष सम्मान प्राप्त है। इन्हें यूं ही ''मरुधरा के कल्पवृक्ष'' नहीं कहा जाता। ये वृक्ष भीषण गर्मी, कम वर्षा और कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहते हैं तथा पशुओं को चारा, पक्षियों को आश्रय और इंसानों को छांव प्रदान करते हैं। जिस प्रकार किसी परिवार का मुखिया संकट के समय सबका सहारा बनता है, उसी प्रकार यह पेड़ भी सैकड़ों गौवंश के लिए सुरक्षा कवच बना हुआ है।

गौसेवा और पर्यावरण संरक्षण का अनमोल संदेश

यह तस्वीर केवल प्राकृतिक सौंदर्य का चित्रण नहीं करती, बल्कि समाज को दो महत्वपूर्ण संदेश भी देती है। पहला, वृक्ष संरक्षण और वृक्षारोपण की आवश्यकता। यदि ऐसे पेड़ न हों, तो गर्मी के दिनों में बेजुबान पशुओं को राहत कहां मिलेगी? दूसरा, गौसेवा और जीवदया का महत्व। गर्मी के मौसम में पशुओं के लिए पानी, चारा और छांव की व्यवस्था करना केवल सामाजिक दायित्व ही नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना का भी परिचायक है।

ग्रामीणों की पहल बनी प्रेरणा

स्थानीय ग्रामीणों का मानना है कि गांव-गांव में अधिक से अधिक छायादार वृक्ष लगाए जाने चाहिए। विशेष रूप से गौशालाओं, चारागाहों और सार्वजनिक स्थानों पर वृक्षारोपण से पशुओं और पर्यावरण दोनों को लाभ मिलेगा। ग्रामीणों का कहना है कि एक पेड़ लगाना केवल हरियाली बढ़ाना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों और असंख्य जीवों के लिए जीवन का आधार तैयार करना है।

प्रकृति का मौन संदेश

थार की यह तस्वीर बिना कुछ कहे बहुत कुछ कह जाती है। यह हमें याद दिलाती है कि प्रकृति और जीव-जगत का रिश्ता कितना गहरा है। एक ओर तपता मरुस्थल है, तो दूसरी ओर उसी धरती पर खड़ा एक पेड़ है, जो अपनी छांव में जीवन को सुरक्षित रखे हुए है। आज जब पर्यावरण संरक्षण की बातें केवल मंचों तक सीमित होती जा रही हैं, तब यह दृश्य हमें प्रेरित करता है कि यदि हर व्यक्ति एक पेड़ लगाए और उसकी देखभाल करे, तो धरती पर जीवन की यह छांव सदैव बनी रह सकती है।

नरेश सिगचीः पत्रकार, रावतसर

वस्तुत्व महाकाव्य में जैन दर्शन विषय पर इंदौर की विदुषी ममता खासगीवाला को पीएचडी की उपाधि

इंदौर. राजेश जैन दद्दू

धर्म, समाजसेवा एवं गर्भ संस्कार गतिविधियों में सक्रिय इंदौर की विदुषी ममता खासगीवाला को जैन दर्शन पर आधारित शोध विषय ''वस्तुत्व महाकाव्य में जैन दर्शन'' पर इंटरनेशनल झोराष्ट्रीयन कॉलेज, मुंबई द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की गई। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि श्रमण संस्कृति के महामहिम पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज द्वारा रचित ''वस्तुत्व महाकाव्य'' 12 खंडों एवं लगभग 1200 कविताओं का एक अद्वितीय महाकाव्य है। इसमें जैन धर्म, दर्शन, अध्यात्म, न्याय, नीति, अहिंसा, शाकाहार, इतिहास, पुरातत्व, साहित्य, अनेकांतवाद, स्याद्वाद तथा सापेक्षता के सिद्धांतों का मनोवैज्ञानिक एवं काव्यात्मक शैली में निरूपण और रहस्योद्घाटन किया गया है। ममता खासगीवाला

ने अपने शोध प्रबंध में वस्तुत्व महाकाव्य के माध्यम से भगवान महावीर के अनेकांतवाद, स्याद्वाद, सप्तभंगी नय, अहिंसा एवं अपरिग्रह जैसे सिद्धांतों का गहन विश्लेषण किया है। उन्होंने अपने शोध में वस्तुत्व महाकाव्य को जैन दर्शन का विश्वकोश निरूपित करते हुए कहा है कि यह महाकाव्य केवल एक काव्य रचना नहीं, बल्कि जैन दर्शन की एक अद्भुत प्रयोगशाला है। यह शोध कार्य प्रख्यात गणितज्ञ एवं जैन विद्या विशेषज्ञ डॉ. अनुपम जैन (इंदौर) के निर्देशन में संपन्न हुआ। पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज की प्रेरणा तथा मुनि श्री सुब्रत सागर जी महाराज एवं श्रुतसंवेगी श्रमण मुनि आदित्य सागर जी महाराज के आशीर्वाद से पूर्ण हुए इस शोध प्रबंध को भारतीय दर्शन की उस महत्वपूर्ण धारा का प्रतिनिधि माना जा रहा है, जो विश्व शांति और मानवीय मूल्यों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करती है। वरिष्ठ समाजसेवी एवं पत्रकार डॉ. जैनेंद्र जैन ने इसे जैन दर्शन एवं साहित्य के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों के हिंदी विषय के पाठ्यक्रमों में वस्तुत्व महाकाव्य को शामिल किया जाना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी भारतीय ज्ञान परंपरा और जैन दर्शन की गहराइयों से परिचित हो सके। ममता खासगीवाला की इस उपलब्धि पर महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, अष्टापद बद्रीनाथ के अध्यक्ष आदित्य कासलीवाल, वरिष्ठ समाजसेवी हंसमुख गांधी, डॉ. जैनेंद्र

जैन, आजाद जैन, टी.के. वेद, आनंद नवीन गोधा, धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू, विपिन गांधी, सोशल ग्रुप फेडरेशन की संरक्षिका पुष्पा कासलीवाल, महिला परिषद इंदौर संभाग की अध्यक्ष मुक्ता जैन, साधना दगड़े, रेखा जैन सहित अनेक गणमान्यजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

गुरु भक्ति से बनता है जीवन मोती : गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी

टोंक. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, आदर्श नगर, टोंक में पूज्य भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ विराजमान हैं। मंदिर में प्रतिदिन प्रातःकाल अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ

विविध धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। प्रतीक जैन सेठी ने बताया कि गुरुमाँ की दैनिक चर्या में मौन साधना, स्वाध्याय, प्रतिक्रमण, सामायिक, मंत्र साधना तथा उपवास जैसे विविध तपों का समावेश है। प्रातःकालीन देव वंदना एवं सहस्त्रनाम भक्ति के रसास्वादन से ही दिन की शुरूआत होती है। मंत्री संजय संघी ने बताया कि प्रवचन के दौरान श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ने कहा कि भक्ति रूपी सोपान ही मुक्ति रूपी मंजिल तक पहुंचाता है। गुरु भक्ति से अज्ञानी भी ज्ञानी बन जाता है और पामर भी परमात्मा बनने की दिशा में अग्रसर हो जाता है। उन्होंने कहा कि जैसे पानी की एक साधारण बूंद का कोई विशेष मूल्य नहीं होता, लेकिन जब वह सीप की शरण में पहुंचती है तो मोती बनकर अनमोल हो जाती है। उसी प्रकार संसार का पतित जीव जब गुरु की शरण स्वीकार करता है, तब गुरु के अनंत उपकार उसके जीवन और आत्मा को मोती के समान अनमोल बना देते हैं। गुरुमाँ ने श्रद्धालुओं से गुरु, धर्म और आत्मकल्याण के मार्ग पर दृढ़ता से चलने का आह्वान करते हुए कहा कि सच्ची गुरु भक्ति व्यक्ति के जीवन को नई दिशा और आध्यात्मिक ऊंचाइयों तक पहुंचाती है।

नसिया कमेटी द्वारा नवनिर्मित रथ पर निकाली गई श्रीजी की भव्य शोभायात्रा

चिंता चिता के समान है, जो बुद्धि को नष्ट कर देती है : पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज

भिंड. सोनल जैन। पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने निराला रंग विहार में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि चिंता चिता के समान है, जो मनुष्य की बुद्धि को नष्ट कर देती है। जो व्यक्ति प्रत्येक क्षण सद्विचारों का चिंतन करता है, वही सम्यक जीव कहलाता है। मनुष्य की जैसी धारणा होती है, उसकी वैसी ही दृष्टि बनती चली जाती है। उन्होंने कहा कि ज्ञानीजन स्वयं को कभी खाली नहीं छोड़ते। जिस प्रकार खाली मकान में अवांछित तत्व प्रवेश कर जाते हैं, उसी प्रकार मन और मस्तिष्क को खाली छोड़ देने पर नकारात्मक विचार घर करने लगते हैं। जब भी मन में नकारात्मकता आए, तब भगवान के दर्शन, स्वाध्याय एवं भक्ति का सहारा लेना चाहिए। नसियाजी में विराजमान 24 तीर्थंकरों के दर्शन एवं आराधना से मन में सकारात्मकता का संचार होता है और नकारात्मक विचार स्वतः दूर हो जाते हैं। पट्टाचार्य श्री ने कहा कि परिणामों की परिणति मनुष्य की गति बदल देती है। आज यहां उपस्थित अनेक लोग ऐसे हैं, जो इस समय अपनी दुकानों या व्यवसाय में हो सकते थे, लेकिन प्रवचन सुनने आए हैं। यह परिवर्तन ही उनके परिणामों को श्रेष्ठ बनाता है। यदि मनुष्य अपने परिणामों को संभाल ले, तो उसके जीवन में आनंद और रौनक आ जाती है। जिस दिन व्यक्ति अपने दृष्टिकोण को बदल लेगा, उसे प्रत्येक जीव में भगवान के दर्शन होने लगेंगे। उन्होंने कहा कि संसार में यदि कुछ संचित करना है, तो पुण्य का संचय करें, क्योंकि वही जीवन की वास्तविक पूंजी है।

नवनिर्मित रथ पर निकली श्रीजी की शोभायात्रा

आदिनाथ दिगंबर जैन कुआ वाले मंदिर में विराजमान पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के ससंघ सान्निध्य में सूर्यसागर उदासीन आश्रम नसियाजी कमेटी द्वारा नवनिर्मित रथ पर श्रीजी को विराजमान कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए नसियाजी प्रांगण पहुंची, जहां श्रद्धालुओं की उपस्थिति में भगवान का महामस्तकाभिषेक एवं विशेष पूजन-अर्चन का आयोजन किया गया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

वर्द्धमान समर कैंप का हुआ भव्य शुभारंभ

ब्यावर. अमित गोधा

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति, ब्यावर द्वारा संचालित 'नृत्यांजलि' के तत्वावधान में वर्द्धमान स्कूल परिसर में आयोजित 11 दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ बुधवार को विधिवत रूप से किया गया। समिति के पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल नाबरिया ने गणपति प्रतिमा पर माल्यार्पण कर गणेश वंदना एवं नवकार मंत्र के साथ समर कैंप का शुभारंभ किया। इस अवसर पर समिति के मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस 11 दिवसीय समर कैंप के माध्यम से प्रतिभागी नई-नई गतिविधियों को सीखकर अपनी प्रतिभाओं को निखारें और व्यक्तित्व विकास की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि समिति ऐसे आयोजनों के माध्यम से बच्चों की छिपी हुई प्रतिभाओं को पहचानने, उन्हें तराशने तथा प्रोत्साहित करने का निरंतर प्रयास करती रही है। उन्होंने प्रतिभागियों एवं अभिभावकों के सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया। समर कैंप की कन्वीनर एवं नृत्य प्रशिक्षिका कनिका अग्रवाल, रेजिन आर्ट प्रशिक्षिका नेहा जैन तथा आर्ट एंड क्राफ्ट प्रशिक्षिका अंजली जांगिड़ ने अतिथियों का माला एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। वर्द्धमान गर्ल्स कॉलेज परिसर स्थित वातानुकूलित सभाकक्षों में आयोजित नृत्यांजलि, रेजिन आर्ट एवं आर्ट एंड क्राफ्ट गतिविधियों में प्रतिभागियों ने पहले दिन उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान उन्हें विभिन्न उपयोगी तकनीकों एवं रचनात्मक गतिविधियों की जानकारी दी गई। साथ ही प्रतिभागियों ने अल्पाहार एवं शीतल पेय पदार्थों का आनंद भी लिया। समर कैंप के शुभारंभ अवसर पर प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखने को मिला तथा आगामी दिनों में आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों को लेकर बच्चों में खासा उत्साह बना हुआ है।

पुरुषोत्तम मास में हरि शेवा उदासीन आश्रम में धर्मगंगा का प्रवाह जारी

अटूट श्रद्धा, तप और भगवान के प्रति समर्पण से मिलती है सफलता : स्वामी अशोकानंद जी महाराज

भीलवाड़ा. कासं। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर सनातन सेवा समिति, हरि शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर एवं महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम जी उदासीन महाराज के सान्निध्य में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ रही है। कथा के तृतीय दिवस कथाव्यास पूज्य स्वामी अशोकानंद जी महाराज (जबलपुर) ने ब्रह्मा सृष्टि प्रसंग से कथा का प्रारंभ करते हुए श्रीमद्भागवत महापुराण के विविध प्रेरणादायी प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। कथाव्यास ने ब्रह्माजी के जन्म, उनके तप तथा भगवान नारायण के दर्शन का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि भगवान के आदेशानुसार ब्रह्माजी ने सृष्टि की रचना का कार्य प्रारंभ किया। उन्होंने मनु और उनकी संतानों की उत्पत्ति से जुड़े प्रसंगों का

भी विस्तारपूर्वक वर्णन किया तथा सृष्टि निर्माण के आध्यात्मिक रहस्यों पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात उन्होंने ध्रुव चरित्र, भक्त प्रह्लाद चरित्र एवं भगवान नृसिंह अवतार की कथा का मार्मिक वर्णन करते हुए कहा कि अटूट श्रद्धा, दृढ़ संकल्प और भगवान के प्रति पूर्ण समर्पण से जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन की सात दिवसीय धार्मिक यात्रा सानंद संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय भव्य धार्मिक यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। 26 मई से 1 जून 2026 तक आयोजित इस यात्रा में ग्रुप के 42 श्रद्धालुओं ने उत्साह एवं श्रद्धा के साथ सहभागिता की। यात्रा का कुशल नेतृत्व ग्रुप के अध्यक्ष धनुकुमार जैन, संयोजक विनय छाबड़ा एवं राजेश बड़जात्या ने किया। उनके मार्गदर्शन में यात्रा की सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुईं।

इन पवित्र तीर्थों के किए दर्शन

सात दिवसीय यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने देश के विभिन्न प्रमुख जैन तीर्थों एवं दर्शनीय स्थलों के दर्शन एवं वंदना की। यात्रा में प्रमुख रूप से निम्न तीर्थ एवं स्थल शामिल रहे–बड़ा गांव, मुक्तेश्वर एवं नैनीताल, अहिच्छत्र पार्श्वनाथ अतिशय क्षेत्र, मंगलायतन, अलीगढ़, मथुरा चौरासी (84) भुसावर, श्री महावीरजी अतिशय क्षेत्र।

यात्रा के दौरान विभिन्न तीर्थस्थलों पर सामूहिक पूजन, आरती, भक्ति संध्या एवं धार्मिक आयोजनों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण में धर्मलाभ प्राप्त करते हुए यात्रा का आनंद लिया। ग्रुप पदाधिकारियों ने बताया कि ऐसी धार्मिक यात्राएं न केवल आध्यात्मिक उन्नयन का माध्यम बनती हैं, बल्कि समाज में आपसी सद्भाव, एकता एवं धार्मिक संस्कारों को भी सुदृढ़ करती हैं। यात्रा के सफल एवं मंगलमय समापन पर सभी श्रद्धालुओं ने आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बच्चों के भगवान तो उनके माता-पिता ही हैं : उपाध्याय विकसंत सागर महाराज

ग्रीष्मकालीन प्रवास में प्रवचन माला का शुभारंभ

निवाई. शाबाश इंडिया। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अग्रवाल मंदिर में चल रहे ग्रीष्मकालीन प्रवास के दौरान पूज्य उपाध्याय विकसंत सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा बुधवार को प्रवचन माला का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलन एवं भगवान के चित्र के अनावरण का सौभाग्य नीरज जैन (माधोराजपुरा), नंदलाल चौधरी, विमल पाटनी एवं मोहनलाल चंवरिया को प्राप्त हुआ। प्रवचन माला का मंगलाचरण चेतन जैन द्वारा किया गया। जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं विमल जौंला ने बताया कि उपाध्याय विकसंत सागर महाराज की दैनिक चर्या में प्रातःकाल स्वाध्याय, प्रतिक्रमण, प्रवचन माला एवं आहार चर्या तथा दोपहर एवं सायंकाल में स्वाध्याय, सामायिक, आनंद यात्रा, गुरु भक्ति, शंका समाधान एवं आरती जैसे धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें श्रद्धालु उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। प्रवचन के दौरान उपाध्याय विकसंत सागर महाराज ने कहा कि यदि जीवन में लक्ष्य प्राप्त करना है, तो सही उपाय और सही मार्ग का चयन करना आवश्यक है। सही दिशा में किया गया प्रयास ही सफलता का आधार बनता है। उन्होंने कहा कि मन को वश में कर लिया जाए तो जीवन का कल्याण सुनिश्चित हो जाता है और सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि साधना के लिए साधुओं को ऐसे संघ में रहना चाहिए, जहां पंच परमेष्ठी की परंपरा और अनुशासन का पालन होता हो। साथ ही उन्होंने धार्मिक मर्यादाओं एवं शुद्धाचार के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उपाध्यायश्री ने माता-पिता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि माता-पिता अपने बच्चों को धार्मिक संस्कार देकर उनके जीवन को धन्य बनाते हैं। गुरु के वचन जीवन के लिए सर्वोत्तम मार्गदर्शक होते हैं। उन्होंने कहा कि संसार में जन्म लेने वाला प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी रूप में स्वार्थ से जुड़ा होता है, लेकिन स्वार्थ के साथ नीति, न्याय और मर्यादा का पालन भी आवश्यक है।

23 वर्षों से प्रतिभाओं को दे रहा नई उड़ान

विजयवर्गीय (वैश्य) महिला मंडल का निःशुल्क ग्रीष्मकालीन अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर 5 जून से

जयपुर. शाबाश इंडिया। गर्मी की छुट्टियों को रचनात्मकता, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता से जोड़ने की दिशा में विजयवर्गीय (वैश्य) महिला मंडल, जयपुर (रजि.) एवं लीनेस ब्लू डायमंड क्लब, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 23वें विशाल निःशुल्क ग्रीष्मकालीन अभिरुचि प्रशिक्षण शिविर-2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह 10 दिवसीय शिविर 5 जून से 15 जून 2026 तक रामेश्वर महादेव मंदिर बेसमेंट, महारानी फार्म, दुर्गापुरा, जयपुर में प्रतिदिन प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित होगा। शिविर में सर्व समाज की महिलाओं एवं बच्चों को विभिन्न रचनात्मक एवं स्वरोजगार आधारित विधाओं का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती शकुन्तला विजयवर्गीय ने बताया कि संस्था पिछले 23 वर्षों से निरंतर समाजहित में इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर महिलाओं एवं बच्चों की प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों के सर्वांगीण विकास तथा महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने के लिए ऐसे प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक हैं। शिविर में स्किन केयर, डांस, जुम्बा, मेहंदी, स्केचिंग, पर्स मेकिंग, राखी मेकिंग, गिफ्ट पैकिंग, गोटा ज्वेलरी, कलश सज्जा, ब्यूटिशियन, नेल आर्ट, रैम्प वॉक एवं सेल्फ मेकअप सहित 14 विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर का उद्देश्य प्रतिभागियों में रचनात्मकता का विकास करना, आत्मविश्वास बढ़ाना तथा उन्हें स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना है। शिविर में पंजीयन हेतु इच्छुक प्रतिभागी मोबाइल नंबर 9828018485 पर संपर्क कर सकते हैं।

श्रीमती शकुन्तला विजयवर्गीय
अध्यक्ष, विजयवर्गीय (वैश्य) महिला मंडल, जयपुर
प्रांतीय उपाध्यक्ष, लीनेस आरएम-1 स्वयंसिद्धा

मातृ शक्ति प्रज्ञा कौशल प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारंभ

सांसद लुंबाराम चौधरी ने सराहा सामाजिक एवं कौशल विकास का अनूठा अभियान

भीनमाल. मुकेश सोलंकी

स्थानीय दासपां रोड स्थित सैन महाराज मंदिर परिसर में मातृ शक्ति प्रज्ञा कौशल प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारंभ किया गया। राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड स्थानीय संघ के तत्वावधान तथा विप्र फाउंडेशन एवं महाकवि माघ विकास संस्थान के निर्देशन में आयोजित इस निःशुल्क ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य महिलाओं, युवाओं एवं समाज के विभिन्न वर्गों को कौशल विकास, अनुशासन और सामाजिक समरसता से जोड़ना है। कार्यक्रम सांसद लुंबाराम चौधरी के मुख्य आतिथ्य, भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित की अध्यक्षता तथा डॉ. राजेंद्र वैष्णव (विप्र फाउंडेशन), डॉ. घनश्याम व्यास (सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड स्थानीय संघ), समाजसेवी जबराराम भाटी, माणकमल भंडारी, भरतसिंह भोजानी, महेंद्र सोलंकी एवं प्रवीण एम. दवे के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित हुआ।

सांसद लुंबाराम चौधरी ने की संस्था की सराहना

मुख्य अतिथि सांसद लुंबाराम चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि वे भारत स्काउट एवं गाइड संस्था के प्रेरणादायक कार्यों से अत्यंत प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि भारत स्काउट एवं गाइड विश्व के सबसे बड़े वदीर्धारी एवं अनुशासित संगठनों में से एक है, जो मानव कल्याण और समाज सेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय भूमिका निभा रहा है। संस्था द्वारा संचालित विभिन्न प्रकल्प समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं।

राष्ट्र निर्माण और सामाजिक समरसता पर बल

प्रकल्प निदेशक दिनेश दवे ने कहा कि विप्र समाज 36 कौमों के बीच सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक एकता और राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर सामाजिक एकजुटता को बढ़ाने के साथ-साथ नई पीढ़ी को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित ने कहा कि भारत स्काउट एवं गाइड संस्था जीवन को श्रेष्ठ तरीके से जीने तथा अनुशासन को व्यवहार में उतारने का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने युवाओं और महिलाओं से ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जुड़कर अपने व्यक्तित्व का विकास करने का आह्वान किया।

कौशल विकास और आत्मनिर्भरता का अवसर

डॉ. घनश्याम व्यास ने कहा कि संस्था द्वारा आयोजित ऐसे शिविर हुनर विकास, सांस्कृतिक गतिविधियों और सामाजिक भाईचारे को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भाजपा जिला मंत्री भरतसिंह भोजानी ने कहा कि इस प्रकार के शिविर न केवल जीवन जीने की कला सिखाते हैं, बल्कि आत्मनिर्भरता एवं आर्थिक सशक्तिकरण का अवसर भी प्रदान करते हैं।

नियमित सहभागिता से मिलेगा अधिक लाभ

समाजसेवी जबराराम भाटी ने शिविर की विशेषताओं की जानकारी देते हुए कहा कि नियमित रूप से भाग लेने वाले प्रतिभागियों को अधिक लाभ प्राप्त होगा। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम, सांस्कृतिक गतिविधियां एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़े सत्र आयोजित किए जाएंगे।

जसराज राजपुरोहित को मिला "माघ सेवा पुरस्कार"

कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित को शिक्षा, समाज सेवा, भारत स्काउट एवं गाइड तथा सामाजिक क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए "माघ सेवा पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। संस्था की ओर से उन्हें एवं उनके परिवार को शुभकामनाएं भी दी गईं।

बड़ी संख्या में गणमान्यजन रहे उपस्थित

कार्यक्रम का संचालन डॉ. घनश्याम व्यास ने किया, जबकि व्यवस्थापक जबराराम भाटी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मनीष दवे, भोमाराम सैन, गणेशाराम सैन, हकियाराम सैन, वासुदेव अवस्थी, राजेंद्र वैष्णव, पूर्णदास पुजारी, मोहब्बतसिंह राव, सीमा जीनगर सहित अनेक कार्यकर्ता, गणमान्य नागरिक एवं स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

आत्मकल्याण की यात्रा सम्यग्दर्शन से प्रारंभ होती है : जिनदेवी माताजी

राणाजी की नसियां में आयोजित धर्मसभा में दिया आध्यात्मिक संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य रत्न बाहुबली महाराज की पट्टशिष्या गणिनीप्रमुख आर्यिकारत्न जिनदेवी माताजी ससंघ इन दिनों आगरा रोड स्थित खानिया क्षेत्र की राणाजी की नसियां में विराजमान हैं। बुधवार को आयोजित धर्मसभा में माताजी ने सम्यग्दर्शन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैन दर्शन में सम्यग्दर्शन को मोक्षमार्ग का प्रथम एवं सबसे महत्वपूर्ण सोपान माना गया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार किसी भवन की मजबूती उसकी नींव पर निर्भर करती है, उसी प्रकार आत्मकल्याण की यात्रा सम्यग्दर्शन से प्रारंभ होती है। तत्त्वों के यथार्थ स्वरूप में श्रद्धा रखना ही सम्यग्दर्शन है। सम्यग्दर्शन केवल आंखों से देखने का नाम नहीं, बल्कि सत्य को हृदय से स्वीकार करने

का भाव है। माताजी ने कहा कि जब जीव को यह विश्वास हो जाता है कि वह शरीर नहीं, बल्कि शुद्ध चेतन आत्मा है, तभी उसके भीतर सम्यग्दर्शन का उदय होता है। आज संसार का प्रत्येक व्यक्ति सुख की तलाश में भटक रहा है। कोई धन में सुख खोजता है, कोई पद में और कोई परिवार में, जबकि वास्तविक सुख आत्मा के भीतर ही विद्यमान है। इस सत्य को समझ लेना ही सम्यग्दर्शन की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि सम्यग्दृष्टि जीव की पहचान यह है कि वह देव, शास्त्र और गुरु में अटूट श्रद्धा रखता है, धर्म के प्रति विनम्र रहता है तथा दूसरों की कमियां देखने के बजाय स्वयं को सुधारने का प्रयास करता है। धर्मसभा का समापन जिनवाणी स्तुति के साथ हुआ। राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातःकाल मूलनायक भगवान वासुपूज्य के अभिषेक के पश्चात शांतिधारा का आयोजन किया गया। धर्मसभा के प्रारंभ में चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने पूज्य माताजी का पाद प्रक्षालन कर भक्तिभाव से जिनवाणी भेंट की। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि 5 जून को प्रातः पूज्या माताजी ससंघ का मंगल विहार सेठी कॉलोनी स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर के लिए होगा।

विनोद जैन कोटखावदा

धर्मकार्य ही जीवन के उद्धार का मार्ग है: आचार्य सुन्दर सागर महाराज

चित्रकूट कॉलोनी जैन मंदिर में आयोजित धर्मसभा में दिया प्रेरक संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ इन दिनों सांगानेर थाना सर्किल स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर, चित्रकूट कॉलोनी में विराजमान हैं। बुधवार को मंदिर परिसर में आयोजित धर्मसभा में आचार्य श्री ने जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए धर्म और साधना का महत्व बताया। अपने प्रवचन में आचार्य श्री ने कहा कि भगवान महावीर ने 72 वर्ष की आयु प्राप्त की थी। 30 वर्ष की अवस्था में उन्होंने मुनि दीक्षा ग्रहण की, इसके पश्चात 12 वर्षों तक कठोर तप एवं साधना की और फिर 30 वर्षों तक अज्ञानी जीवों को धर्मदेशना देकर उन्हें मोक्षमार्ग की ओर प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान पंचम काल में लोग धर्म तो करते हैं, लेकिन मिथ्यात्व रूपी नमक को नहीं छोड़ पाते, जिसके कारण वे संसार के मोह में डूबे रहते हैं। जिस प्रकार बीज से वृक्ष उत्पन्न होता है और वृक्ष की शाखाओं पर फल लगते हैं, उसी प्रकार धर्म का बीज ही जीवन को सार्थक बनाता है। एक बार वृक्ष से टूट जाने वाला फल पुनः शाखा से नहीं जुड़ सकता। इसलिए जब तक जीवन है, तब तक धर्मरूपी वृक्ष से जुड़े रहकर धर्मकार्य करना चाहिए। आचार्य श्री ने कहा कि पंचम काल में भी प्रत्येक व्यक्ति के पास आत्मकल्याण का अवसर उपलब्ध है। यदि व्यक्ति सही दिशा में प्रयास करे, तो वह अपने जीवन को सफल और सार्थक बना सकता है। उन्होंने आगे कहा कि संसार में लोग बुरे कार्यों और गलत बातों को जल्दी याद रखते हैं, जबकि अच्छे कार्यों को प्रायः भुला देते हैं। इसलिए दूसरों की आलोचनाओं या टिप्पणियों की चिंता किए बिना निरंतर अच्छे कार्य और धर्मकार्य करते रहना चाहिए। धर्मकार्य ही जीवन के उद्धार का वास्तविक मार्ग है। धर्मसभा का समापन जिनवाणी स्तुति के साथ हुआ। राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रातःकाल मूलनायक भगवान महावीर स्वामी के अभिषेक के पश्चात शांतिधारा का आयोजन किया गया। धर्मसभा के प्रारंभ में चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने पूजनीय आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन कर भक्तिभाव से जिनवाणी भेंट की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त किया। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि 4 जून को प्रातः 8:30 बजे चित्रकूट कॉलोनी मंदिर प्रांगण में धर्मसभा का आयोजन किया जाएगा।

-विनोद जैन कोटखावदा

जेएसजी संस्कार ग्रुप की इनडोर गेम्स प्रतियोगिता का भव्य आगाज

खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का किया आह्वान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप संस्कार द्वारा आयोजित बहुप्रतीक्षित इनडोर गेम्स प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन समारोह उत्साह एवं उमंग के साथ महावीर साधना एवं स्वाध्याय समिति परिसर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मेवाड़ रीजन चेयरमैन अरुण माण्डोत, इंटरनेशनल फेडरेशन के उपाध्यक्ष आर.सी. मेहता, समाजसेवी एवं उद्योगपति बाबूलाल कोठारी, जोन कोऑर्डिनेटर राकेश नन्दावत तथा संस्थापक अध्यक्ष प्रकाशचंद्र कोठारी के करकमलों द्वारा किया गया। समारोह की शुरूआत मंचासीन अतिथियों के आसन ग्रहण करने के पश्चात सामूहिक नवकार मंत्र के उच्चारण से हुई। इसके बाद अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। ग्रुप अध्यक्ष डॉ. प्रमिला जैन ने फेडरेशन सूत्र का वाचन करते हुए कहा कि इनडोर गेम्स केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे नेतृत्व क्षमता, एकाग्रता, रणनीतिक सोच और त्वरित निर्णय लेने की योग्यता को भी विकसित करते हैं। स्वागत उद्बोधन में संस्थापक अध्यक्ष प्रकाशचंद्र कोठारी ने सभी अतिथियों एवं खिलाड़ियों का अभिनंदन किया। मेवाड़ रीजन चेयरमैन अरुण माण्डोत ने संस्कार ग्रुप की विशिष्ट कार्यशैली की सराहना करते हुए युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रेरित किया। वहीं इंटरनेशनल फेडरेशन के उपाध्यक्ष आर.सी. मेहता ने खेल भावना, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के महत्व पर प्रकाश डाला। जोन कोऑर्डिनेटर राकेश नन्दावत ने कहा कि संस्कार ग्रुप मेवाड़ रीजन के श्रेष्ठ और सक्रिय ग्रुपों में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में मंचासीन अतिथियों ने कैरम, टेबल टेनिस एवं शतरंज की पहली चाल चलकर प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर डॉ. प्रमिला जैन ने शंखनाद किया, जिससे पूरा खेल परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सचिव जितेंद्र धाकड़ ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम से पूर्व सूर्यास्त पूर्व स्नेहभोज का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर सह सचिव राजेश सामर, कोषाध्यक्ष किरण पोखरना, पीआरओ एवं ग्रीटिंग्स प्रभारी महेंद्र सहलोत सहित कार्यकारिणी सदस्य, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में ग्रुप सदस्य उपस्थित रहे।

ई-चौपाल में डूंगरपुर एवं वीरा प्रियदर्शना केंद्रों ने सेवा कार्यों की प्रस्तुत की प्रेरक झलक

डूंगरपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल एपेक्स की ई-चौपाल ''दोस्ती से सेवा'' के 191वें एपिसोड में वागड़ जोन के डूंगरपुर केंद्र एवं वीरा प्रियदर्शना डूंगरपुर केंद्र के पदाधिकारियों ने अपने विविध सेवा कार्यों की जानकारी साझा कर सभी प्रतिभागियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुमेर सिंह कर्णावत द्वारा प्रार्थना के साथ किया गया। ई-चौपाल एवं नॉलेज शेयरिंग के इंटरनेशनल डायरेक्टर अजीत कोठिया ने डूंगरपुर केंद्र के चेयरमैन विजय जैन, अविचल जैन तथा वीरा प्रियदर्शना डूंगरपुर केंद्र की अध्यक्षा कल्पना दोशी एवं सचिव पुष्पक जैन का परिचय कराया और उनके केंद्रों द्वारा संचालित सेवा गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। डूंगरपुर केंद्र के चेयरमैन विजय जैन ने वर्ष 1988 में केंद्र की स्थापना से लेकर वर्तमान तक किए गए सेवा कार्यों, स्थायी प्रकल्पों, संभागीय अधिवेशन के आयोजन, विकलांगता निवारण अभियानों तथा अस्पतालों में एक्स-रे मशीन उपलब्ध कराने सहित अनेक महत्वपूर्ण कार्यों पर प्रकाश डाला। वीरा प्रियदर्शना डूंगरपुर केंद्र की अध्यक्षा कल्पना दोशी ने सेनेटरी नैपकिन वितरण, बेबी किट, जीवनरक्षक टैबलेट किट वितरण तथा ''स्वच्छ डूंगरपुर'' जैसे प्रकल्पों की विस्तृत जानकारी साझा की। वहीं केंद्र के सचिव पुष्पक जैन ने वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण, ''पोषण की पोटली'' तथा कन्यादान कार्यक्रमों सहित विभिन्न सेवा गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम को वागड़ जोन चेयरमैन पृथ्वीराज जैन, वरिष्ठ साथी विनोद दोशी, निधि गांधी, हर्षवर्धन जैन, नीरव जैन एवं अविचल जैन सहित अनेक सदस्यों ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन अजीत कोठिया ने किया, जबकि आभार राजेंद्र सिंह राठौड़ ने व्यक्त किया। ई-चौपाल में कुल 52 सदस्यों ने सहभागिता कर सेवा कार्यों की प्रेरणादायक जानकारी प्राप्त की।

1008 भगवान महावीर समवशरण मंदिर में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

नौगामा (बांसवाड़ा)। 1008 भगवान महावीर समवशरण मंदिर में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का वार्षिकोत्सव बुधवार को श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम पूज्य आचार्य विभव सागर जी महाराज की शिष्या आर्यिका सिद्धश्रीमति माताजी के सान्निध्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर मंदिर में विशेष शांतिधारा एवं अभिषेक का आयोजन किया गया। अभिषेक करने का प्रथम सौभाग्य अतिवीर गांधी, मनोज सागरमल पंचोली सहित अन्य श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। मानस्तंभ स्थित 16 प्रतिमाओं का अभिषेक भी माताजी के मंगल उच्चारण के साथ भक्तिभावपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर अभिषेक एवं धार्मिक अनुष्ठानों का लाभ प्राप्त किया। अभिषेक के पश्चात विधानाचार्य रमेशचंद्र गांधी एवं समाज अध्यक्ष विपुल पंचोली का समवशरण परिवार की ओर से तिलक, उपरना एवं सम्मान स्वरूप अभिनंदन किया गया। साथ ही माताजी को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। अपने प्रवचन में आर्यिका सिद्धश्रीमति माताजी ने कहा कि जिस प्रकार लोग विवाह वर्षगांठ मनाकर प्रसन्नता व्यक्त करते हैं, उसी प्रकार भगवान के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की वर्षगांठ मनाना भी अत्यंत आनंद और गौरव का विषय है। ऐसे धार्मिक आयोजनों से धर्म की प्रभावना एवं आध्यात्मिक चेतना का विस्तार होता है। माताजी ने आदिनाथ मंदिर में सुरक्षित रखे गए हस्तलिखित प्राचीन शास्त्रों के संरक्षण एवं लेमिनेशन के लिए समाजजनों से सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शास्त्रों का संरक्षण भावी पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर को सुरक्षित रखने का कार्य है। उनके आह्वान पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने हस्तलिखित शास्त्रों के संरक्षण एवं लेमिनेशन कार्य हेतु उदारतापूर्वक आर्थिक सहयोग की घोषणाएं कीं। माताजी ने कहा कि ''शास्त्रदान महादान है'' तथा धर्मग्रंथों का संरक्षण और संवर्धन प्रत्येक श्रावक का कर्तव्य है। इसके पश्चात मंदिर में वीणा दीदी एवं ममता दीदी के सान्निध्य में वाद्य यंत्रों की मधुर स्वर लहरियों के बीच भगवान महावीर स्वामी की भक्ति एवं पूजन संपन्न हुआ। महिला मंडल द्वारा शांतिविधान के अंतर्गत 64 अर्घ्य समर्पित किए गए। कार्यक्रम में समवशरण परिवार के ट्रस्टी राजेंद्र गांधी, दिलीप गांधी, सुरेश गांधी, मनीष गांधी एवं आदित्य गांधी ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए माताजी के सान्निध्य को सौभाग्यपूर्ण बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बचपन की स्मृतियों ने दिलाई वैश्विक पहचान, रोमानिया की प्रतिष्ठित कला प्रदर्शनी में चमकेंगे प्रभुलाल के चित्र

उदयपुर. शाबाश इंडिया। कला की दुनिया में मेवाड़ का नाम एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर गूंजने जा रहा है। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के दृश्य कला विभाग के शोधार्थी प्रभुलाल ने अपनी सृजनात्मक प्रतिभा के बल पर रोमानिया में आयोजित होने वाली प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी ''9वीं ग्राफिक आर्ट बिनाले ऑफ सेकलरलैंड'' में स्थान प्राप्त किया है। उनकी दो कलाकृतियां ''बिहाइंड द कर्टेन'' और ''इन टू माइंड्स'' चयनित हुई हैं। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन के लिए दुनिया के 71 देशों से 1033 कलाकारों ने कुल 2192 कृतियां भेजी थीं। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकारों और विशेषज्ञों की चयन समिति ने गहन मूल्यांकन के बाद केवल 277 कृतियों को प्रदर्शनी हेतु चुना, जिनमें प्रभुलाल की दो रचनाएं भी शामिल हैं। प्रभुलाल की ये कृतियां केवल चित्र नहीं, बल्कि उनके बचपन की पारिवारिक स्मृतियों और भावनात्मक अनुभवों का कलात्मक दस्तावेज हैं। उन्होंने इन्हें काष्ठ छाप चित्र (वुडकट प्रिंटमेकिंग) तकनीक में तैयार किया है, जो अपनी सूक्ष्मता, श्रमसाध्यता और अभिव्यक्ति की गहराई के लिए जानी जाती है। उनकी विशिष्ट शैली दर्शकों को स्मृतियों, रिश्तों और मनोभावों की अनकही दुनिया में ले जाती है। रोमानिया में आगामी 30 सितंबर को चयनित कृतियों की प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जहां दुनिया भर के कला प्रेमी और विशेषज्ञ इन रचनाओं का अवलोकन करेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रभुलाल इससे पूर्व दो बार राज्य कला पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं। इसी वर्ष उन्हें इंडियन एकेडमी ऑफ फाइन आर्ट्स, अमृतसर द्वारा भी पुरस्कृत किया गया। उनकी यह नई उपलब्धि न केवल व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि उदयपुर और राजस्थान की समृद्ध कलाधारा के लिए भी गौरव का विषय है।

-रिपोर्ट/फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

विश्व साइकिल दिवस पर निकाली गई साइकिल रैली

70 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा, स्वस्थ जीवन और स्वच्छ पर्यावरण का दिया संदेश

अजमेर. शाबाश इंडिया। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर अजमेर साइकिल कम्युनिटी एवं साइकिल वाला के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से आमजन को स्वस्थ जीवनशैली, स्वच्छ पर्यावरण और खुशहाल भविष्य के प्रति जागरूक किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि 3 जून को आयोजित इस विशेष साइकिल राइड में 70 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों में 11 वर्ष की बालिका से लेकर 76 वर्ष तक के वरिष्ठ नागरिक शामिल रहे, जो साइकिलिंग के प्रति बढ़ते उत्साह का परिचायक है। अजमेर साइकिल कम्युनिटी के अध्यक्ष ललित नागरानी ने बताया कि राइड का शुभारंभ प्रातः 6:15 बजे वैशाली नगर स्थित साइकिल वाला से हुआ। रैली न्यू चौपाटी, रीजनल चौराहा, पुष्कर रोड, सुभाष उद्यान एवं पुरानी चौपाटी होते हुए पुनः साइकिल वाला पर संपन्न हुई। इस दौरान प्रतिभागियों ने आनासागर झील की लगभग 8 किलोमीटर की परिक्रमा भी की। रैली को वरिष्ठ नागरिक अमरसिंह राठौड़ एवं बिमला नागरानी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सभी प्रतिभागियों को हीरो साइकिल की ओर से निःशुल्क इवेंट टी-शर्ट एवं कैप प्रदान की गई। राइड में मॉर्निंग मस्केटियर्स के अध्यक्ष डॉ. अकरम खान के नेतृत्व में भी कई सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर हीरो साइकिल के राजस्थान सेल्स मैनेजर विकास मलिक ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए अल्पाहार की व्यवस्था की। इस अवसर पर यज्ञपाल सिंह यादव, नंदलाल शर्मा, कमल गंगवाल, नरेंद्र कुमार सोलंकी, लक्ष्मणसिंह राठौड़, जगदीश विजयवर्गीय, लक्ष्मीनारायण सोनी, श्रुति सैनी, विनोद नागरानी सहित बड़ी संख्या में साइकिल प्रेमी एवं नागरिक उपस्थित रहे। अंत में ललित नागरानी ने आमजन से नियमित साइकिल चलाने का आह्वान करते हुए कहा कि साइकिलिंग न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जेएसजी सिद्धा परिवार ने किया गो-सेवार्थ कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप सिद्धा परिवार द्वारा बुधवार, 3 जून 2026 को दुर्गापुरा गौशाला में गो-सेवार्थ कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सिद्धा परिवार के संस्थापक अध्यक्ष धीरज पाटनी एवं सीमा पाटनी तथा सदस्य नीरज पाटनी एवं नीता पाटनी की माताजी श्रीमती संतोष देवी पाटनी, धर्मपत्नी स्वर्गीय पदमचंद जी पाटनी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में पाटनी परिवार के सहयोग से आयोजित किया गया। प्रातः 6:30 बजे आयोजित इस सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत गौशाला में गौवंश के लिए चारा, गुड़ एवं लड्डुओं का वितरण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने गौसेवा कर पुण्य लाभ अर्जित किया तथा गौ संरक्षण एवं सेवा के महत्व पर भी बल दिया। इस अवसर पर जैन सोशल ग्रुप सिद्धा परिवार की ओर से सौरव गोधा, रतिका गोधा, निर्मल पांड्या, तारा पांड्या, अंजन जैन, आकांक्षा जैन, जितेंद्र लोहाड़िया एवं हेमा लोहाड़िया सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने श्रीमती संतोष देवी पाटनी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की मंगलकामना की।

जिला कारागृह सीकर में एनसीडी स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

सीकर. शाबाश इंडिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, सीकर के तत्वावधान में 3 जून 2026 को जिला कारागृह सीकर में निरुद्ध बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु एनसीडी (नॉन कम्युनिकेबल डिजीज) स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आवश्यक चिकित्सा उपकरणों एवं आईईसी सामग्री के साथ चिकित्सा विभाग के 10 कार्मिकों ने भाग लिया। इस दौरान कारागृह में निरुद्ध 278 बंदियों एवं 17 स्टाफ सदस्यों सहित कुल 295 व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर के दौरान बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया गया। साथ ही जरूरतमंद बंदियों को चश्मों का वितरण भी किया गया। एनसीडी शिविर के सफल संचालन तथा बंदियों की जांच एवं चश्मा वितरण कार्य में देवश्री सेवा समिति के संयोजक विकास शर्मा एवं अजय शर्मा की विशेष भूमिका रही। शिविर के दौरान जिला कारागृह सीकर के अधीक्षक इन्द्र कुमार, चिकित्साधिकारी डॉ. विकास कुमार बाजिया, सहायक प्रशासनिक अधिकारी छुट्टनलाल, कारापाल सुषमा सैन, उप कारापाल निसार अहमद सहित कारागृह का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। शिविर का उद्देश्य बंदियों एवं कारागृह स्टाफ के स्वास्थ्य की नियमित जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा गैर-संचारी रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।